हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

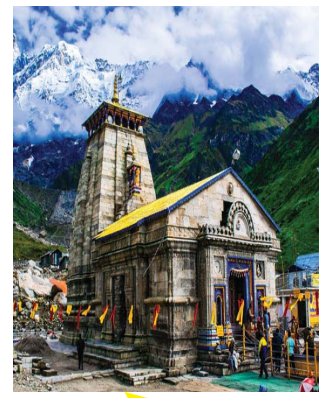

वर्ष:4 अंक:277 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस के 24वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून विश्वविद्यालय, देहरादून में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टीट्यूशंस (आईएएसएसआई) के 24वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर देश-विदेश से आए सामाजिक विज्ञान के प्रख्यात विद्वान, नीति-निर्माता और शिक्षाविद उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अपने संबोधन में कहा कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में सामाजिक कल्याण, अर्थशास्त्र, रोजगार, उद्योग, कृषि, तकनीकी, पर्यावरण और नगरीकरण जैसे विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श होगा। उन्होंने कहा कि यह चिंतन-मंथन सामाजिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जन-जन के कल्याण के ठोस एवं व्यवहारिक उपायों के संकलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत योजना जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े

व्यक्ति के कल्याण की दिशा में ठोस कार्य किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सौर मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे अभियान और प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसी योजनाएं पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार भी सामाजिक न्याय की अवधारणा को मजबूत करने और सतत विकास की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि के साथ पति-पत्नी दोनों को पेंशन देने और सभी पेंशन योजनाओं में त्रैमासिक के स्थान पर मासिक भुगतान प्रणाली लागू की है। हर निर्णय में राज्य सरकार का उद्देश्य सामाजिक न्याय स्थापित करना और आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखते हुए एक सुरक्षित एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इकोनॉमी और इकोलॉजी के संतुलन के लिए सरकार ने त्रि-स्तंभीय और नौ-सूत्रीय नीति लागू की है, जो सतत विकास की दिशा में एक बड़ी पहल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य में गरीबी उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा, पेयजल और स्वच्छता, स्वच्छ ऊर्जा, वित्तीय समावेशन और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया जा रहा है। सरकार की मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता प्रोत्साहन योजना, सौर ऊर्जा क्रांति अभियान, स्मार्ट सिटी मिशन और मुख्यमंत्री शहरी आजीविका योजना इन प्रयासों को और मजबूती दे रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी बताया कि नीति आयोग द्वारा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में उत्तराखंड देश में प्रथम स्थान पर रहा है। राज्य में जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं, सतत कृषि और जल संसाधन प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं।

उन्होंने बताया कि सामाजिक विकास के क्षेत्र में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने टाटा ट्रस्ट, नैस्कॉम और वाधवानी फाउंडेशन के साथ तीन महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। टाटा ट्रस्ट के सहयोग से जल प्रबंधन, पोषण, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण आजीविका और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कार्य हो रहा है, जबकि नैस्कॉम और वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, पायथन, जनरेटिव एआई, कौशल विकास और स्वरोजगार जैसे क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि इन नवाचारों के माध्यम से उत्तराखंड को सस्टेनेबल डेवलपमेंट के एक मॉडल स्टेट के रूप में स्थापित किया जा सकेगा। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, ढ्ढस्स्ढ्ढ के अध्यक्ष एवं नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी, प्रो. आर.पी. ममगांई, प्रो. आई.सी. अवस्थी, प्रो. अलख शर्मा सहित अनेक विषय विशेषज्ञ एवं शिक्षाविद उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 35,440 करोड़ की कृषि योजनाओं की शुरुआत करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 11 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में एक विशेष कृषि कार्यक्रम के दौरान 35,440 करोड़ रुपए की विभिन्न कृषि योजनाओं की शुरुआत करेंगे। यह कार्यक्रम शनिवार सुबह 10:30 बजे शुरू होगा, जिसमें प्रधानमंत्री किसानों से संवाद करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर वे कृषि विकास, ग्रामीण प्रगति और किसानों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराएंगे।

इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का शुभारंभ होगा, जिसके लिए 24,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा, सिंचाई सुविधाओं में मजबूती, फसल कटाई के बाद भंडारण बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना और 100 चयनित जिलों में किसानों के लिए कर्ज की उपलब्धता में सुधार करना है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आत्मनिर्भरता मिशन इन पल्सेज(दाल) की भी शुरुआत करेंगे, जिसके लिए 11,440 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह योजना दालों की उत्पादकता बढ़ाने, खेती के क्षेत्र का विस्तार करने, मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने और कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने पर केंद्रित है।

प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर कृषि, पशुपालन, मत्स्य और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण भी करेंगे। इनमें बेंगलुरु और जम्मू-कश्मीर में कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण केंद्र, अमरेली और बनास में उत्कृष्टता केंद्र, असम में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत आईवीएफ लैब और मेहसाणा, इंदौर व भीलवाड़ा में मिल्क पाउडर संयंत्र शामिल हैं। इसके अलावा असम के तेजपुर में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत फिश फीड प्लांट और कई एग्रो-प्रोसेसिंग व कोल्ड चेन ढांचे का भी उद्घाटन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उपनल कर्मियों के आश्रितों को दी 50-50 लाख की आर्थिक सहायता

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में उपनल के माध्यम से सेवारत तीन कार्मिकों की दुर्घटनाओं में मृत्यु होने के उपरांत उनके आश्रितों को 50-50 लाख की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि कोई भी आर्थिक सहायता मानव जीवन की क्षति की पूर्ति नहीं कर सकती, लेकिन यह कठिन समय में परिवारजनों को आर्थिक संबल और मानसिक सहारा प्रदान करती है। विदित हो कि उपनल के माध्यम से विद्युत वितरण खंड, जसपुर में तैनात बृजेश कुमार की जनवरी 2025 में, ब्रिडकुल देहरादून में तैनात तसलीम की नवंबर 2024 में, तथा विद्युत वितरण खंड, हरिद्वार में तैनात संजीव कुमार की फरवरी 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उनके आश्रितों को सहायता राशि के चेक सौंपते हुए कहा कि राज्य सरकार सदैव कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा उपनल, सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कर्मचारियों के हितों को

ध्यान में रखते हुए कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के तहत बैंकों के साथ समझौता (MoU) किया गया है। इस पहल के अंतर्गत कर्मचारियों को अनेक सुविधाएं और बीमा लाभ प्राप्त हो रहे हैं। दुर्घटना में मृत्यु की स्थिति में संबंधित कर्मी के परिजनों को सहायता राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने इस योजना में सहयोग हेतु पंजाब नेशनल बैंक का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड सरकार लगातार नवाचारों और कल्याणकारी नीतियों के माध्यम से राज्य के कर्मचारियों के हित में निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण देना तथा आपात स्थितियों में उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव दीपेन्द्र चौधरी, अपर सचिव मनमोहन मैनाली, मेजर जनरल (से.नि.) शम्मी सबरवाल, उपनल के एमडी जे.एन.एस. बिष्ट, पंजाब नेशनल बैंक के जोनल हेड अनुपम, डिप्टी जनरल मैनेजर अभिनंदन तथा एजीएम अजीत कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फिनटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम बना

नई दिल्ली। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फिनटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है और 2025 के पहले नौ महीनों में यह 1.6 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाने में कामयाब रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दी गई। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के आंकड़ों के अनुसार, स्टार्टअप फंडिंग के मामले में भारत अब केवल अमेरिका और ब्रिटेन से पीछे है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के फिनटेक क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दिखाता है। अर्ली स्टेज स्टार्टअप्स ने 2025 में अब तक 598 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई है, जो कि 2024 के 555 मिलियन डॉलर के आंकड़े से अधिक है, जो दर्शाता है कि निवेशकों का विश्वास भारतीय फिनटेक सेक्टर में बना हुआ है। हालांकि, लेट-स्टेज फंडिंग 2025 के पहले नौ महीनें में कम होकर 863 मिलियन डॉलर पर पहुंच गई है, जो कि 2024 में समान अवधि में 1.2 अरब डॉलर पर थी। इसके साथ, सीड-स्टेज फंडिंग कम होकर 129 मिलियन डॉलर हो गई है। समीक्षा अवधि में दो स्टार्टअप 100 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग जुटाने में कामयाब रहे हैं, जिसमें ग्रो ने सीरीज एफ राउंड में 202 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, जबकि वीवर सर्विसेज ने 170 मिलियन डॉलर जुटाए हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. राजेश कुमार का श्रीनगर मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण

मरीजों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

पथ प्रवाह, श्रीनगर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार जनपद रुद्रप्रयाग के प्रभारी सचिव एवं स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार शुक्रवार को श्रीनगर पहुंचे। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और उनके जमीनी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष निरीक्षण करना था। स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश ने श्रीनगर मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर, चिकित्सालय भवन, वार्डों और विभिन्न विभागों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से मुलाकात कर अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं और उपचार की गुणवत्ता की जानकारी ली।

स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास

निरीक्षण के दौरान डॉ. राजेश कुमार ने सीटी स्कैन, एमआरआई और कैथ लैब की कार्यप्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि कैथ लैब का संचालन नियमित रूप से हो, इसके लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को बेहतर और समयबद्ध चिकित्सा सेवाएं मिलें, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री समय-समय पर अस्पतालों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं और प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए हर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता रैली का फ्लैग ऑफ

अपने श्रीनगर प्रवास के दौरान डॉ. राजेश कुमार ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मेडिकल कॉलेज परिसर से आयोजित जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है और समाज के हर वर्ग को इसके प्रति जागरूक होना चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि तनावमुक्त जीवन, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन को उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर कैंप और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

नए पीआरओ सेंटर का उद्घाटन, ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य शिविर के निर्देश

स्वास्थ्य सचिव ने मेडिकल कॉलेज परिसर में नए पीआरओ (Public Relations Office) सेंटर का उद्घाटन किया। इस केंद्र के माध्यम से मरीज और उनके परिजन आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और समस्याओं का समाधान कर सकेंगे।

उन्होंने कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना को निर्देश दिए कि ओपीडी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा मरीज लाभान्वित हों। साथ ही, ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का भी आदेश दिया गया।

कफ सिरप प्रकरण पर सख्त रुख, कानूनी कार्रवाई जारी

डॉ. राजेश कुमार ने हाल ही में चर्चा में आए कफ सिरप प्रकरण पर स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि औषधि विभाग की टीमें ड्रग कंट्रोलर के नेतृत्व में लगातार छापेमारी कर रही हैं और संदिग्ध दवाओं के सैंपल जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सभी जनपदों में एसओपी का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य सचिव ने दोहराया, ÷हम बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे।÷

श्रीनगर मेडिकल कॉलेज पर विशेष फोकस, मॉडल संस्थान बनाने का लक्ष्य

डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के विधानसभा क्षेत्र में होने के कारण श्रीनगर मेडिकल कॉलेज पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और मानव संसाधन की गुणवत्ता में लगातार सुधार किया जा रहा है।

सरकार का लक्ष्य है कि श्रीनगर मेडिकल कॉलेज को पहाड़ी क्षेत्र का एक मॉडल मेडिकल संस्थान बनाया जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष जोर

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक सुधार का संकल्प लिया है। ई-संजीवनी, टेलीमेडिसिन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से चिकित्सा सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का प्रत्येक नागरिक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर नीतिगत सुधारों, अवसंरचना विकास और जनजागरूकता पर बल दे रहा है।

एक नजर

डीएम के निर्देश पर अवैध खनन के भंडारण पर बड़ी कार्रवाई

पथ प्रवाह, संवाददाता। हरिद्वार। जनपद में अवैध खनन और अवैध भंडारण पर जिला प्रशासन की सख्ती जारी है। शुक्रवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सरकार को राजस्व हानि पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए बड़ी कार्रवाई कराई। अवैध भंडारण की लगातार मिल रही सूचना पर जिलाधिकारी ने तत्काल जिला खान अधिकारी काजिम रजा को विभागीय टीम के साथ मौके पर छापेमारी के निर्देश दिए। टीम ने ग्राम विशनपुर कुण्डी (तहसील हरिद्वार) में स्थित मै. तिरूपति ग्रामोद्योग संस्थान के रिटेल भंडारण स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रिटेल भंडारण में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद जिला खान अधिकारी की टीम ने मौके पर ही भंडारण को सीज कर दिया। साथ ही संस्थान का ई-रवन्ना पोर्टल अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्पष्ट कहा कि जिले में अवैध खनन और भंडारण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहाकि राजस्व की हानि पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी व्यक्ति या संस्था को नियमों के विरुद्ध काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में भी अवैध खनन स्थलों पर छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

घनी आबादी वाले क्षेत्र में घर के अंदर से मिला अवैध पटाखों का जखीरा

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार/कलियर। अवैध पटाखों की बिक्री करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए कलियर थाना पुलिस ने एक घर के अंदर से लाखों रुपये कीमत के पटाखे बरामद किये हैं। पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद में अवैध पटाखों के भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना पिरान कलियर पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। थाना पिरान कलियर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम इमलीखेड़ा क्षेत्र में एक घर के अंदर घनी आबादी के बीच भारी मात्रा में अवैध पटाखों का भंडारण किया गया है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। सूचना पर थानाध्यक्ष द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित की गई एवं तहसीलदार रूड़की विकास अवस्थी को मौके पर बुलाकर संयुक्त रूप से छापामारी की गई।

राज्य की स्थापना में स्वर्गीय मुलायम सिंह का रहा महत्वपूर्ण योगदानः आशीष

पथ प्रवाह, संवाददाता।

हरिद्वार। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री एंव यूपी के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना में स्वर्गीय मुलायम सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कौशिक समिति का गठन कर मुलायम सिंह यादव ने ही उत्तराखण्ड राज्य की नींव रखी थी। देश की सीमा पर तैनात बहादुर जवानों के शहीद होने पर उनके पार्थिव शरीर को घर भिजवाने तथा राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई देने का कार्य भी स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने

ही किया था। कहा कि समाजवादी पार्टी ही सभी वर्गों के विकास में योगदान दे सकती है। लोहिया वाहिनी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंद्रशेखर यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जमीन से जुड़े नेता थे। उत्तराखंड से उन्हें विशेष लगाव था। दूसरे दलों के नेताओं ने उत्तराखंड मे समाजवादी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर समाजवादी पार्टी को बदनाम करने का प्रयास किया था। इस दौरान वीर सिंह, समाजसेवी राजाराम यादव, प्रदेश सचिव शिवकुमार कश्यप, युवजन सभा उपाध्यक्ष आदेश उपाध्याय, जिला अध्यक्ष साजिद अंसारी, आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नगर निगम का अतिक्रमण पर बड़ा एक्शन, जेसीबी से ढहाए गए अवैध ढाबे और दुकानें

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। नगर निगम ने शुक्रवार को भूपतवाला क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। नगर आयुक्त नंदन कुमार के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने सिंचाई विभाग और पुलिस की टीम साथ लेकर यह अभियान चलाया। अभियान के दौरान निगम भूमि पर बने अवैध ढाबों और दुकानों को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया।

नगर आयुक्त (IAS) नंदन कुमार ने अतिक्रमण करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि नगर निगम अपनी संपत्ति पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं दूसरी ओर नगर निगम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा। अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत पावन धाम आश्रम के सामने स्थित सर्वानन्द घाट क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भूपतवाला के पास नेशनल हाईवे के समीप स्थित अतिक्रमण को नगर निगम ने

संयुक्त टीम के साथ अतिक्रमण हटाया। अतिक्रमण टीम में नगर निगम हरिद्वार की ओर से श्याम सुन्दर प्रसाद (टीम प्रभारी) नाथीराम, गौरव सागर, सुभाष, नवीन अरोडा, मुकेश आचार्य, सोनू, मोहित आदि कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस विभाग की ओर से सतेंद्र भण्डारी (चौकी इंचार्ज), चरण सिंह (चौकी इंचार्ज), संदीप वर्मा (एस0आई0), दीपक ध्यानी, नन्द किशोर (एस0एस0आई0) शिवानन्द घिल्डियाल, सुमित कुमार, शोभा, अनिता थापा आदि उपस्थित रहे। उत्तराखण्ड सिंचाई विभाग की ओर से पारस राम सागर (जिलेदार), वीरेन्द्र कुमार (सींच पर्यवेक्षक), ओमवीर सिंह (सींच पर्यवेक्षक) आदि उपस्थित रहे।.

दीपावली से पहले दिल्ली सरकार ने 694 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड जारी किया

नई दिल्ली। दीपावली से पहले दिल्ली सरकार ने राजधानी के कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार ने इस वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 694 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड जारी किया है, जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि छोटे-बड़े सभी व्यापारियों को तय समय सीमा में जीएसटी रिफंड देने के लिए उनकी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरित होकर 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' की नीति पर गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकार बड़े बाजारों के पुनर्विकास की योजनाओं पर काम कर रही है और व्यापारियों की समस्याओं को हल करने के लिए दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि जब व्यापारियों को कारोबार चलाने में आसानी होगी, तभी विकसित दिल्ली का सपना पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली सरकारों ने जीएसटी रिफंड प्रक्रिया को गंभीरता से नहीं लिया था, जिससे लंबित रिफंड बढ़ते गए।

एक नजर

अश्लील वीडियो बनाकर 1 साल तक किया दुष्कर्म, 5 हजार का इनामी अब गिरफ्तार

पथ प्रवाह हरिद्वार। नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाले पांच हजार के इनामी को बहादराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नाबालिक की अश्लील वीडियो बनाकर उसके साथ साल से ब्लैकमेल कर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। आरोपी के खिलाफ पीड़िता के पिता द्वारा दी गई तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। सिडकुल निवासी व्यक्ति ने तहरीर में बताया था कि नाबालिक पुत्र उम्र-16 वर्ष के साथ अभियुक्त विशाल पुत्र सुरेश निवासी श्यामीवाला मंडावली बिजनौर उ0प्र0 हाल सिडकुल ने एक साल पहले दुष्कर्म किया था। आरोपी ने दुष्कर्म की वीडियो बनाकर उसके बेटे को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया था। पिछले एक साल से वह लगातार उसके बेटे को ब्लैकमेल कर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। किसी को बताने पर धमकी दे रहा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। मुकदमा दर्ज होने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। उसके लगातार फरार चलने पर पुलिस कप्तान की ओर से आरोपी पर पांच हजार का इनाम घोषित किया गया। आरोपी विशाल उर्फ फुकरे की गिरफ्तारी के लिए गठित की गयी पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को सलेमपुर रोड सिडकुल से गिरफ्तार किया गया।

नशा तस्कर पर कोतवाली ज्वालापुर पुलिस का प्रहार

पथ प्रवाह हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने अवैध गांजे की तस्करी में एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चार किलो अवैध गांजा बरामद किया गया है। जनपद में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान लाल पुल नहर पटरी आम के पेड के पास से पंकज पुत्र लब्बाराम निवासी राजीवनगर लाल मन्दिर कालोनी थाना ज्वालापुर हरिद्वार हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से करीब चार किलो अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू की। पुलिस का कहना है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

हरिद्वार पुलिस को मिली सफलता, दो शातिर चोर गिरफ्तार

पथ प्रवाह हरिद्वार। ट्रक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को हरिद्वार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से चुराया गया ट्रक भी बरामद हुआ है। चोरी की इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की थाना भगवानपुर पुलिस तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक 7 अक्तूबर को आजम पुत्र जाहिद निवासी किशनपुर जमालपुर थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार ने भाई इन्तजार का 12 टायरा ट्रक संख्या च07ष्ट- 5535 को एसपी ग्लोबल कालेज ग्राम पुहाना के पास से चोरी होने के संबंध में थाना भगवानपुर पर 336/2025 धारा 303(2) बीएनएस दर्ज कराया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए घटना गठित पुलिस टीम द्वारा गहन छानबीन करते हुए 02 आरोपियों को चोरी के ट्रक के साथ दबोचा गया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने में 04 अन्य आरोपियों का उक्त घटना में शामिल होना प्रकाश में आया जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के नाम जाहिद स/ह साबिर क्र/ह ग्रा0 खेडी लक्ष्मीपुर थाना जसपुर उधमसिंह नगर, आवेश उर्फ सावेज क्र/ह मौ0 चांद मस्जिद नई बस्ती जसपुर थाना जसपुर उधमसिंह नगर हैं। पुलिस का कहना है कि इनके अन्य साथियों को भी पुलिस जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी।

इंस्पेक्टर नीरज यादव को हरिद्वार पुलिस ने दी भावभीनी विदाई

पथ प्रवाह,हरिद्वार। पुलिस मुख्यालय से जारी स्थानांतरण आदेश के तहत जनपद हरिद्वार में तैनात निरीक्षक अभिसूचना नीरज यादव का तबादला मुख्यालय देहरादून किया गया है। इस अवसर पर शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में उनके सम्मान में एक स्नेहपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल सहित जनपद के अन्य अधिकारियों एवं कर्मियों ने निरीक्षक नीरज यादव को स्थानांतरण पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एसएसपी प्रबेंद्र डोबाल ने कहा कि नीरज यादव ने अपने कार्यकाल में पुलिस विभाग के विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया और टीमवर्क की उत्कृष्ट मिसाल पेश की। उन्होंने उम्मीद जताई कि देहरादून मुख्यालय में भी यादव अपने अनुभव और कार्यकुशलता से विभाग की प्रतिष्ठा को और ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगे। विदित हो कि निरीक्षक? नीरज यादव बेहद ही संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ है। खूफिया विभाग में उनका अनुभव हरिद्वार की सुरक्षा व्यवस्था को कायम रखने में महत्वपूर्ण रहा। हरिद्वार में तमाम संवेदनशील घटनाओं में उनका अनुभव काम आया। जिसके चलते बड़ी घटनाओं की रोकथाम की जा सकी। नीरज यादव एक मृदुभाषी होने के साथ ही पुलिस महकमे की शान भी है।

हरिद्वार में कफ सिरप निर्माता कंपनी पर एफडीए की बड़ी कार्रवाई, लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति

पथ प्रवाह, संवाददाता। हरिद्वार। उत्तराखंड औषधि नियंत्रण विभाग (स्वष्ठ) ने ड्रग आयुक्त ताजबर सिंह के कड़े निर्देशों पर कफ सिरप और अन्य औषधियों के निर्माण एवं बिक्री में अनियमितता के खिलाफ प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग की टीम ने हरिद्वार स्थित एक दवा कंपनी के निरीक्षण में खामियां पाए जाने पर उसका उत्पादन बंद कराकर और तैयार दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है। साथ ही कंपनी का ड्रग लाइसेंस निलंबित करने की संस्तुति की गई है।

सि?डकुल स्थित डॉ पाल्स फार्मास्युटिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटिड के निरीक्षण के दौरान सीनियर ड्रग इंस्पेक्टर अनीता भारती और सीडीएससीओ की टीम ने कंपनी में कई गंभीर खामियां और नियम उल्लंघन पाए। जांच में खुलासा हुआ कि कंपनी द्वारा जीएमपी के निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण, सफाई व्यवस्था, रॉ मटेरियल स्टोरेज और उत्पादन प्रक्रिया में आवश्यक तकनीकी मानकों का पालन न करना औषधि अधिनियम का गंभीर उल्लंघन पाया गया।

इन गंभीर कमियों को देखते हुए ड्रग इंस्पेक्टर अनीता भारती ने तत्काल प्रभाव से कंपनी का उत्पादन रोकने के आदेश दिए। साथ ही कंपनी के स्टोर में रखी सभी तैयार दवाओं की बाजार में सप्लाई पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने कंपनी का ड्रग मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस रद्द करने की संस्तुति भी राज्य औषधि आयुक्त कार्यालय को भेज दी है।

निरीक्षण टीम के अनुसार, कंपनी में दवा निर्माण प्रक्रिया से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकार्ड्स भी अधूरे पाए गए। टीम ने मौके से सैंपल लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं, जिससे दवाओं की वास्तविक गुणवत्ता और सुरक्षा का आकलन किया जा सके। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग इंस्पेक्टर अनीता भारती ने कहा कि हरिद्वार में औषधि निर्माण और वितरण प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। किसी भी स्तर पर दवा निर्माण मानकों की अनदेखी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। हरिद्वार, जिले विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। बताया कि एफडीए की टीमें लगातार मेडिकल स्टोर्स, अस्पतालों और फार्मा यूनिट्स पर ताबड़तोड़ निरीक्षण कर रही हैं। पिछले कुछ दिनों में कई मेडिकल स्टोर्स से सैंपल लिए जा चुके हैं और जांच में दोषी पाए जाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

राज्य औषधि नियंत्रण विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी फार्मा कंपनियों को अपने उत्पादन केंद्रों में जीएमपी मानकों का पालन सुनिश्चित करना होगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तुरंत उत्पादन बंद कर कार्रवाई की जाएगी। विभाग का उद्देश्य है कि उत्तराखंड में केवल सुरक्षित, मानक और गुणवत्तापूर्ण दवाएं ही जनता तक पहुंचे।

जीएसटी विभाग की कार्रवाई का व्यापारियों ने बाजार बंद कर जताया विरोध

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। ज्वालापुर के पीठ बाजार में शुक्रवार को राज्य कर विभाग की टीम ने छापेमारी की। विभाग की इस कार्रवाई का व्यापारियों ने विरोध जताया और अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिये। भारी संख्या में व्यापारी मौके पर इकठ्ठा हो गए और टीम की कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। व्यापारियों के विरोध के चलते जीएसटी विभाग की टीम बिना कोई कार्रवाई किए वापस लौट गई।

राज्य कर विभाग की टीम ने पीठ बाजार में दुकानों का निरीक्षण किया। जीएसटी विभाग की टीम को देख कर व्यापारियों में अफरातफरी मच गई। शहर व्यापार मंडल ज्वालापुर के सदस्यों सहित आसपास के बाजारों के व्यापारी मौके पर पहुंच गए और जीएसटी विभाग की टीम का विरोध किया। व्यापारियों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन के दौरान व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन गुप्ता और महामंत्री विक्की तनेजा ने बताया कि त्यौहार के समय पुलिस, प्रशासन, कर विभाग, ऊर्जा निगम, खाद्य सुरक्षा विभाग आदि तमाम सरकारी विभाग व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहे है। व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बेवजह की छापेमारी से व्यापारियों का काम चौपट हो रहा है। त्योहार के समय व्यापारी की बिक्री बढ़ने और काम चलने की उम्मीद होती है। लेकिन पुलिस प्रशासन व्यापारियों को प्रताड़ित कर रहा है। कहा कि पुलिस प्रशासन कारोबार करने नहीं दे रहा है। चेतावनी देते हुए कहा कि व्यापारी कार्रवाई का विरोध करेंगे। त्योहार के समय व्यापारियों पर कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जीएसटी अधिकारी विनोद चंदेला ने बताया कि बाजार में सील लगे पटाखा गोदामों की जांच करने के लिए टीम पहुंची थी। पटाखों के कितने गोदाम जीएसटी में पंजीकृत है। इसका आंकलन करना था। मौके पर अत्यधिक भीड़ जमा होने के कारण दिक्कत बन गई थी। व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है।

संपादकीय

21वीं सदी की महिला: भारत की नई शक्ति

भारत में महिलाओं की उपलब्धियों की कहानी अब सिर्फ कॉरपोरेट तक सीमित नहीं रही। शिक्षा, चिकित्सा और खेलकूद के क्षेत्र में चमकती हुई महिलाएँ अब राजनीति, उद्योग और खनन के व्यवसायों में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। वेदांता के झारसुगढ़ा प्लांट में महिलाएँ शीर्ष प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ संभाल रही हैं, जिससे ओडिसा के आदिवासी इलाकों में आधी आबादी की तकदीर बदल रही है।

शिक्षित महिला ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। वह न केवल परिवार की पहली शिक्षिका होती है, बल्कि बच्चों में संस्कार और बुलंदी की हिम्मत भी वह ही भरती है। परंतु दुर्भाग्यवश, लंबे समय तक पुरुष मानसिकता ने महिलाओं की काबलियत को कमतर आंका और उन्हें आगे बढ़ने से रोका।

लेकिन 21वीं सदी की महिला को अब कोई रोक नहीं सकता है। वह अपने ज्ञान, साहस और नेतृत्व से राष्ट्र को सशक्त बनाने में सबसे अहम भूमिका निभा रही है। आंकड़े बताते हैं कि देश की कंपनियों में शीर्ष पदों पर अब 36 प्रतिशत महिलाएँ पहुँच चुकी हैं, जो साल 2004 से करीब 24 प्रतिशत की बढ़त है। यह साबित करता है कि अब महिलाओं की भागीदारी सिर्फ संख्या में नहीं, बल्कि प्रभाव और नेतृत्व में भी है।

खनन जैसे पारंपरिक पुरुष प्रधान व्यवसायों में महिलाओं की सफलता नई मिसाल पेश कर रही है। वेदांता समूह ने इस दिशा में महिलाओं को सम्मान और अवसर देकर यह दिखा दिया है कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं। उत्तर भारत में सरकार भी महिलाओं को आगे बढ़ाने और उनके सुरक्षा प्रबंधों को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आज भारत की बेटियाँ केवल परिवार की शान नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र का भविष्य भी हैं। उनकी शिक्षा, उनका आत्मविश्वास और नेतृत्व भारत को विश्व गुरु बनाने के सपने को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

21वीं सदी की महिला सिर्फ समाज की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की रीढ़ बनकर उभर रही है। यह समय है महिलाओं के सामर्थ्य को पहचानने और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का। क्योंकि जब महिला सशक्त होगी, तभी राष्ट्र सशक्त होगा।

समाज को मासूम कलियों को रौंदने से बचाना होगा?

नरेंद्र भारती

बेशक प्रत्येक वर्ष 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के रुप में मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन पूरे विश्व में बालिकाओं की सुरक्षा के दावे किए जातें हैं संकल्प लिए जाते हैं उसके बाद 364 दिनों तक मासूम कलियों को रौदा जाता है। समूचे विश्व में बालिका दिवस पर भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं,सैमीनार लगाए जातें हैं ,कवि सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।मगर सुधार शून्य ही रहता है।अगर सही मायनों में बालिकाओं को सुरक्षित बनाना है तो समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग देना होगा तभी ऐसें आयेजन सफल हो सकते हैं अन्यथा सुधार सम्भव नही हो सकता। आज पूरे विश्व में बालिकाओं की स्थिथती बहुत ही दयनीय होती जा रही है। समाज में बालिकाओं पर अत्याचार हो रहे हैं उनसे दुष्कर्म किए जा रहे हैं मासूम कलियों की हत्याएं की जा रही है। कन्या भ्रूण हत्याएं हो रही है लिंग अनुपात घटता जा रहा है। मंदिरों ,झाड़ियों में नवजात शिशु फैके जा रहे है जिनमें अधिकांश लडकियां होती है। समाज किस ओर जा रहा है वह यह क्यों नहीं सोचता कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी।कन्या भ्रूण हत्या के लिए समाज जिम्मेवार है।आज लड़कियां हर क्षेत्र में अपना नाम चमका रही है हर शिखर पर परचम लहरा पही है। आज धरती से लेकर आकाश तक बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर समाज को बता दिया कि हम किसी से कम नहीं है। आज बेटियां एवरेस्ट पर्वत पर पहुच रही है ,हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है।वंश परपरा की खातिर कोख में ही कत्ल किए जा रहे है। आज भले ही मानव 21वीं सदी में पहुच चुका है मगर उसकी सोच में कोई बदलाव नहीं आया है।इतिहास गवाह है कि देश में लड़कियों ने शिक्षा, राजनीति,से लेकर हर क्षेत्र में सफलता की इबारतें लिखी हैं।आज सरकारों द्वारा बेटी है अनमोल जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है मगर कुछ तथाकथित दकियानूसी सोच रखने वाले लोगों के कारण ऐसे कार्यक्रमों पर बटटा लग रहा है जो लड़के की चाहत में ऐसे घिनौने कार्य कर रहे हैं ऐसे लोगों को कसाई कहना चाहिए जो जानबूझ कर ऐसे रुह कंपा देनं वाले कार्यों को बेखौफ होकर अंजाम दे रहे है।समाज को ऐसें लोगो को बहिष्कृत करना चाहिए जो लड़कियों के जन्म पर मातम मनाते हैं। समाज के लोग गैर जिमेदार होते जा रहे हैं क्योकि समाज में कोई इन घटनाओं को रोकने के लिए आगे नही आ रहा है। अगर समाज जागरुक हो जाएगा तो इस पर रोक लग सकती है।आज भारत में ऐसे मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसी घटनाएं सभ्य समाज का अभिशाप बनती जा रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या एक अपराध है मगर लोग निडर होकर बच्चियों को कूडेदानों व सुनसान जगहो पर फैंक रहे है यह पतन की पराकाष्ठा है अगर समय रहते इन घिनौने कार्य पर रोक नहीं लगाई तो आने वाला कल बहुत ही विनाशकारी होगा।ऐसी वारदातो से समाज का अहित होता है। यह एक चिन्ता का विषय बनता जा रहा है समाज के बुद्विजीविओं को बालिकाओं को बचाने के लिए चिंतन करना चाहिए।बेटा-बेटी के अन्तर को खत्म करना होगा। अगर हर मां-बाप यह सोच रखें की उसकी जो भी संतान होगी चाहे लड़का हो या लड़की उसका कत्ल नहीं किया जाएगा तो लिंग अनुपात में सुधार हो सकता है मगर समाज के लोगों को यह बात कौन समझायगा लोग अपनी मनमानी करते है अगर समाज के लोग सक्रिय हो जाएं जो इन लोगों पर नजर रखी जा सकती है जो लिंग जांच करवाने के बाद बेटियों का बेरहमी से कत्ल करवाते है समय-समय पर देश के राज्यों से ऐसे समाचार आते रहतें है ऐसे क्लिनिक चलाने वाले डाक्टरों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो ऐसें नीच काम करते हैं । ऐसे लोगों को जल्लाद कहना गलत नहीं होगा जो जानबूझर अजन्मी कन्ययओं मौत के घाट उतार रहे हैं ।चंद मुठठी भर लोग समाज का वातावरण खराब कर रहे है। समाज में गरीब लोग मेहनत मजदूरी करके अपनी बच्चियों का पालन-पोषण कर रहे है ऐसे घिनौने कार्यों को सरमाएदार लोग ही अंजाम देते है। क्योकि अमीर लोगों पर कोई उगली नही उठाता।बेटियों को कोख में ही खत्म करवाने वाले राक्षसो को सूली पर टांगना चाहिए।समाज के यही तथाकथित अमीर लोग नवरात्रों में कंजको को पूजते है मगर एक दिन पूजा करे इनके पाप नही घुल सकते क्योकि इनके पापों की सजा खुदा जरुर देगा।महिलाओं को भी इस को रोकने के लिए आगे आना होगा ऐसे लोगों को सजा दिलवानी होगी। अगर महिलाएं इसके विरुद्ध खड़ी हो जाए तो इन पर पूर्ण रुप से रोक लग सकती है।मगर वंश परंपरा के कारण कई महिलाएं भी दोषी है।केन्द्र सरकार को इन मामलो पर संज्ञान लेना होगा। आज की बालिका कल की स्त्री है उसके बगैर समाज की कल्पना नहीं जा सकती।समाज को जागरुक करने के लिए सरकार को संचार माध्यमों से अभियान चलाना होगा ताकि लोगों को जागृत किया जा सके ।प्रत्येक शहर व गांवों में शिविर लगाने चाहिए। अगर यह सिलसिला ऐसे ही बदस्तूर चलता रहा तो आने वाला समय इतना भंयकर हो जाएगा कि अराजकता फैल जाएगी जब चारों तरफ बालिकाओ का चीरहरण होगा। अगर समाज का हर आदमी जागरुक हो जाएगा तभी बालिकाओं को बचाया जा सकता है और तभी ऐसे बालिका दिवस सार्थक होगें।अगर अब भी लापरवाही बरती जो एक दिन बालिकाओं का आस्तित्व मिट जाएगा फिर पछताने के सिवाए कुछ हासिल नही होगा। विश्व के देशों को इस विकराल हो रही समस्या पर लगाम लगाने के लिए सामूहिक रुप से विचार विर्मश करना होगा तभी बालिकाओं को बचाया जा सकता है।अतः समय जागने का है।आओ हम सब एकजुट होकर बालिकाओं को बचाने का संकल्प लें।बालिकाओं को बचाना हर भारतवासी का नैतिक कर्तव्य है।

तारीख पर तारीख~ अदालतें न्याय नहीं, इंतजार देती हैं

सौरभ जैन अंकित

भारत में न्याय मिलना अब उतना ही दुर्लभ हो गया है, जितना रेल यात्रा के बिना वेटिंग के टिकिट मिलना। लोग कहते हैं न्याय अंधा होता है, असलियत में न्याय केवल अंधा नहीं, थोड़ा बहिरा और सुस्त भी हो गया है। अदालतें तारीख पर तारीख देने में इतनी पारंगत हो गई हैं, अगर 'तारीखें देने की ओलंपिक प्रतियोगिता' होती, तो भारत अब तक कई गोल्ड जीत चुका होता।

कहते हैं कि देश में क़ानून सबके लिए बराबर है, मगर फर्क बस इतना है, कुछ लोगों को फैसला जिंदा रहते मिल जाता है। कुछ को मरने के बाद न्याय मिलता है। न्यायालयों में फाइलों के पहाड़ देखकर लगता है, जैसे हिमालय ने अदालतों में अपनी शाखा खोल ली हो। 5.15 करोड़ से ज़्यादा मामले अदालतों में लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट में लगभग 82 हज़ार, हाई कोर्टों में 57 लाख 82 हज़ार, और जिला अदालतों में 4 करोड़ 56 लाख केस लंबित है। अब ज़रा सोचिए, अगर हर जज रोज़ 10 केस निपटाए तो भी इन सबको सुलझाने में दशकों लग जाएंगे, तब तक शायद अगली पीढ़ी भी रिटायर होकर न्याय पाने से वंचित हो जाएगी।

अब बात जजों की करें, तो हालत और भी मजेदार है। देश में 5 करोड़ केसों के लिए कुल जज लगभग 25 हज़ार हैं । जैसे 100 बच्चों की क्लास को पढ़ाने के लिए एक ही टीचर रख दिया जाए, वैसे ही करोड़ों लोगों के न्याय के लिए मुट्ठीभर जज हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक पद खाली, हाई कोर्टों में 368 रिक्तियां और जिला अदालतों में 5,262 कुर्सियां खाली है। लगता है न्याय की कुर्सियाँ भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। यह पद कई साल पहले निर्धारित किये गए थे। जब मुकदमों की संख्या कम थी।

फिर आता है पुलिस का 90 दिन वाला खेल। चार्जशीट दाखिल करनी है, लेकिन समय नहीं मिला, कागज़ नहीं मिला, अफसर छुट्टी पर हैं, या 'नेटवर्क इश्यू' है। नतीजा, आरोपी जेल में सड़ता रहता है, कभी-कभी जितनी सजा उसे किये गये अपराध में मिलनी ही नहीं थी। उससे ज्यादा समय तक उसे जेल में रखा जाता है। जेलों में कैदी कम, हवालाती ज़्यादा हैं, यह सब प्रोसीजर के नाम पर होता है। न्याय की रफ़्तार इतनी धीमी है कि घोंघा भी उसे देखकर बोले, भाई, तू पहले जा, मैं बाद में आता हूँ।

गवाह समय पर नहीं आते, वकील तारीख बदलवा लेते हैं। जब जज छुट्टी पर जाते हैं, तो पूरा न्याय तंत्र सो जाता है। जनता के टैक्स से चलने वाला यह तंत्र अब जनता की उम्मीदों का न्यायतंत्र अब अन्यायतंत्र में तबदील हो गया है। अदालतें कभी-कभी तो खुद भूल जाती हैं, कि मामला शुरू किस बात पर हुआ था।

अब सरकार कहती है कि रिक्त पद जल्द भरेंगे। पर न्याय के इस ऑफिस में जल्द का समय निर्धारित नहीं है। अगर फाइलें इतनी ही तेजी से चलतीं, जितनी प्रेस कॉन्फ्रेंस होती हैं, तो आज देश में कोई भी केस लंबित न होता।

समाधान की बात करें तो विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोसेस में सुधार चाहिए। पर जनता कहती है, भाई, पहले प्रोसेस को जगा तो लो। अगर अदालतें तय कर लें कि तीन सुनवाइयों के भीतर फैसला देना है, एक अभियोजन की दलील, एक सफाई की दलील, एक बहस की दलील। तो शायद न्यायालयों में कुर्सियों में जो धूल जम गई है, वह साफ हो जायेगी।

न्याय देर से मिले तो वह न्याय नहीं। यह वाक्य अब सिर्फ संविधान की किताब में अच्छा लगता है, अदालत के गलियारे में नहीं। आम आदमी के लिए अदालत अब मंदिर नहीं, न्याय के नाम पर नरक बन गया है। जहाँ अंदर जाने के बाद कोई नहीं जानता कि बाहर कब निकलेगा। हर पेशी में उत्पीड़न न्यायालयों और न्याय- व्यवस्था का सच है। शायद अब वक्त आ गया है कि न्यायालयों की दीवारों पर लिखा जाए- यहाँ न्याय मिल सकता है, पर कब मिलेगा, यह बताने का अधिकार किसी के पास नहीं। आपका भाग्य ही आपके साथ न्याय करेगा।

(11 अक्तूबर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर विशेष)

सच कहना यदि बगावत है तो कह दो हम भी बागी है : जेपी आंदोलन

निमिषा सिंह

5 जून 1974 पटना का गांधी मैदान। मंच पर विराजमान जयप्रकाश नारायण के साथ फणीश्वरनाथ रेणु और नागार्जुन। बिहार के तत्कालीन गफूर सरकार के इस्तीफे के प्रस्ताव के समर्थन में इकट्ठे किए गये तीन ट्रक हस्ताक्षर के पुलिंदे राजभवन पहुँचाकर लौट रहे आंदोलनकारियों पर बेली रोड में इंदिरा ब्रिगेड के अड्डे से गोलीबारी शुरू कर दी गई। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान में पांच लाख की उत्साही भीड़ के सामने सम्पूर्ण क्रांति का ऐलान किया और कहा कि सच कहना यदि बगावत है तो कह दो हम भी बागी है। इंदिरा गांधी की सत्ता को उखाड़ फेकने का आहवान किया गया। लाखों लाख लोग जेपी के सम्पूर्ण क्रांति से जुड़ गए। 11अक्टूबर 1902 में सिताब दियारा के एक कायस्थ परिवार में जन्मे जयप्रकाश नारायण सन 1979 तक विविध रूप मे सक्रिय दिखे। स्वतंत्रता सेनानी के रूप में समाजसेवी के रूप और अन्ततः राजनेता के रूप में। इन तीनों रूपों में उन्होंने भारतीय जनमानस को गहराई से प्रभावित किया। वह उन लोगों में से थे जिन्होंने सत्ता और पद से परे रहकर समाज को अपनी सेवा के लिए चुना और राजनीति को जनता की सेवा का माध्यम बनाया। भाईचारा स्वतंत्रता आजादी यह विचार जे पी को महात्मा गांधी से विरासत के तौर पर मिले थे। उन्होंने कॉन्ग्रेस के अंदर सोशलिस्ट पार्टी योजना बनाई थी और कॉन्ग्रेस को सोशलिस्ट पार्टी का स्वरूप देने के लिए आंदोलन भी शुरू किया था। इतना ही नहीं जेल से भाग कर नेपाल में रहने के दौरान उन्होंने सशस्त्र क्रांति भी शुरू की थी। इसके अलावा वह किसान आंदोलन छात्र आंदोलन और सर्वोदय आंदोलन सहित कई छोटे-बड़े आंदोलनों में शामिल रहे और उन्हें अपना समर्थन देते रहे। जयप्रकाश इकलौते ऐसे नेता हुए जिन्होंने देश के तीन बड़े आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाई थी या यूं कहे कि नेतृत्व किया था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गांधी जी के साथ हर मोर्चे पर साथ खड़े दिखाई दिए। आजाद भारत के भूदान आंदोलन में जे पी विनोबा भावे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते दिखे। तीसरा वह आंदोलन जिसकी अगुवाई स्वयं जेपी ने की। संपूर्ण क्रांति जब इस देश के घर-घर में क्रांति का पर्याय बने थे जे पी। वह जे पी ही थे जिन्होंने उस दौर के युवाओं को सही दिशा दिखाया। यह वह दौर था जब देश के युवाओं में सरकार के प्रति असंतोष का भाव घर कर चुका था। देश इंदिरा के नेतृत्व में महंगाई भ्रष्टाचार और विकास की सुस्त गति से त्रस्त था। शैक्षणिक अराजकता का माहौल था। ऐसे में गुजरात में हुई एक राजनीतिक उथल-पुथल ने बिहार के छात्रों को काफी प्रेरित किया। गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण समिति द्वारा आंदोलन तीव्र हो चुका था। गुजरात विधानसभा को भंग करना पड़ा। चुनाव में चिमन भाई पटेल की सरकार की हार हुई। इस घटनाक्रम से बिहार के छात्रों का हौसला बढ़ा। बिहार प्रदेश में तत्कालीन गफूर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बिहार के छात्र प्रतिबद्ध हुए।लाठी चार्ज के द्वारा छात्रों की आवाज को दबाने की कोशिश की गई। 21 जनवरी 1974 को पटना के ह्विलर सीनेट में यूथ फॉर डेमोक्रेसी के तत्वाधान में एक सभा हुई जिसमें जे पी ने संबोधित किया। 17 और 18 फरवरी को पटना में बिहार राज्य छात्र नेता सम्मेलन हुआ जिसमें साम्यवादी छात्रों को छोड़ सभी संगठनों के छात्रों ने हिस्सा लिया और बिहार छात्र संघर्ष समिति का गठन हुआ। मुलायम सिंह यादव, लालमुनि चौबे, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, दिवंगत रामविलास पासवान, रविशंकर या फिर सुशील मोदी, आज के सारे नेता जेपी के उसी छात्र युवा संघर्ष वाहिनी का हिस्सा थे। इनमें से कुछ ने आगे चलकर कुछ नए दल बनाए तो कुछ दूसरे स्थापित पार्टियों में शामिल हो गए। सक्रिय छात्रों के नेतृत्व में प्रदेश के हर हर नुक्कड़ चौराहे पर धरना प्रदर्शन और नुक्कड़ नाटक होने लगे। सरकार की दमनकारी नीतियां आरंभ हो गई। 16 मार्च को बेतिया और बाढ़ में गोली चली। 18 मार्च को 12 सूची मांगों को लेकर छात्रों का प्रदर्शन हुआ। सरकार ने अपनी बर्बरता दिखाई। पुलिस कारवाही में 110 छात्र मारे गए। 23 मार्च को राम बहादुर राय एवं गोविंदाचार्य जैसे बड़े नेता की मुलाकात जेपी से हुई और उन्होंने उनसे छात्र आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह किया। जयप्रकाश ने छात्रों को सही दिशा दिखाते हुए शांतिपूर्वक और अहिंसात्मक तरीके से आंदोलन करने की अपील की। उस वक्त जयप्रकाश नारायण ने युवाओं का नेतृत्व किया और उनके आंदोलन को चरम सीमा तक पहुंचाया। अगर जेपी नहीं होते तो उस आंदोलन का दमन कर दिया जाता। बड़ी संख्या में और युवा मारे जाते। भविष्य में किसी की भी हिम्मत नहीं होती कि वह सत्ता के खिलाफ अपना सर उठा सके।

8 अप्रैल 1974 को पटना से विशाल मुक प्रदर्शन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में मुंह पर काली पट्टी बांधे और पीठ पीछे हाथ बांधे युवा छात्र सड़कों पर निकल पड़े। जीपी ने नारा दिया--हमला चाहे जैसा होगा हाथ हमारा नहीं उठेगा। अखिल विश्व भारतीय परिषद छात्र संगठनों को समाजवादी युवजन सभा का साथ मिला। 9 अप्रैल 1974 को गांधी मैदान में हुई सभा में जे पी को लोक लायक की उपाधि दी गई। बिहार के सभी विधायकों से त्यागपत्र देने की अपील हुई। 5 जून 1974 को जयप्रकाश नारायण ने बिहार विधानसभा भंग करने का आह्वान दिया और गांधी मैदान से ही सम्पूर्ण क्रांति की घोषणा कर डाली। जे पी की हुंकार पर नौजवानों का जत्था सड़कों पर निकल पड़ता था। देखते ही देखते बिहार से उठी संपूर्ण क्रांति की चिंगारी देश के कोने-कोने में आग बनकर भड़क उठी थी। पूरे साल भर के लिए छात्रों द्वारा कक्षा बहिष्कार तथा परीक्षा बहिष्कार कर दिया गया। विधायकों को विधान परिषद में आने से रोका जाने लगा। अगले 21 दिनों तक बिहार पुलिस प्रशासन की बर्बरता जारी रही एक समय ऐसा भी आया जब छात्रों ने विधान परिषद को चारों तरफ से घेर लिया।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की नगर निगम भूमि घोटाले पर जीरो टॉलरेंस की नीति, दो आईएएस करेंगे विभागीय जांच

पथ प्रवाह, देहरादून। नगर निगम हरिद्वार द्वारा ग्राम सराय स्थित भूमि की खरीद में हुई अनियमितताओं के मामले में शासन ने बड़ा कदम उठाते हुए तीन अधिकारियों पर विभागीय जांच की कार्रवाई शुरू कर दी है। शासन ने इस संवेदनशील प्रकरण में कार्रवाई की रफ्तार तेज करते हुए दो वरिष्ठ आईएएएस अधिकारियों को जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। गृह विभाग से जारी आदेश के अनुसार, तत्कालीन जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, तत्कालीन नगर आयुक्त वरुण चौधरी और तत्कालीन उप जिलाधिकारी (निलंबित) अजयवीर सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ की गई है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने के आधार पर अजयवीर सिंह के खिलाफ उत्तराखण्ड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 2003 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की गई है। पूर्व में उन्हें आरोप पत्र दिया गया था, जिसके जवाब में उन्होंने 16 सितम्बर 2025 को सभी आरोपों से इनकार करते हुए अपना पक्ष रखा था। अब शासन ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए डॉ. आनन्द श्रीवास्तव (आईएएस), अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उन्हें एक माह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह, प्रकरण से जुड़े अन्य दो अधिकारियों – कर्मेन्द्र सिंह और वरुण चौधरी – के खिलाफ चल रही जांच की जिम्मेदारी सचिन कुर्वे (आईएएस) को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के प्रति सरकार की नीति पूरी तरह सख्त है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर दृढ़ता से कार्य कर रही है। शासन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर दोषी पाए जाने पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विकास योजनाओं के लिए दिए 1029 करोड़ की स्वीकृति

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न विकास कार्यों और आपदा प्रबंधन गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से कुल 1029 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह स्वीकृति पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों एवं राज्य योजना मदों के अंतर्गत दी गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गैर निर्वाचित निकायों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही किश्त के रूप में 03 करोड़ रुपये, समस्त जिला पंचायतों को तृतीय त्रैमासिक किश्त और क्षेत्र पंचायतों व ग्राम पंचायतों को द्वितीय छमाही किश्त के रूप में कुल 361.25 करोड़ रुपये, जबकि समस्त शहरी स्थानीय निकायों को तृतीय त्रैमासिक किस्त हेतु 333.25 करोड़ रुपये आवंटित किये जाने का अनुमोदन दिया है।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्स्थापन कार्यों हेतु अतिरिक्त स्वीकृति

मानसून के दौरान जनपद हरिद्वार की आपदा संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने आपदा न्यूनीकरण निधि में 01 करोड़ रुपये तथा जनपद उत्तरकाशी के धराली व स्यानाचट्टी समेत विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि से प्रभावित सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना कार्यों के लिए 03 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की है।

सड़क और पुल निर्माण को भी मिली मंजूरी

राज्य योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जनपद पौड़ी गढ़वाल की विधानसभा श्रीनगर क्षेत्र में विभिन्न मोटर मार्गों पर स्थित चार सेतुओं के उच्चीकरण तथा एक मोटर मार्ग के निर्माण के लिए 18.23 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है।

राज्य आपदा मोचन निधि से भी जारी धनराशि

वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य आपदा मोचन निधि से विभिन्न विभागों एवं जनपदों को धनराशि आवंटित की गई है – आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद देहरादून को 02 करोड़ रुपये जनपद देहरादून को 16 करोड़ रुपये उत्तराखंड ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण को 25 करोड़ रुपयेइसके अतिरिक्त, जनपद पौड़ी के विकासखण्ड यमकेश्वर अंतर्गत दिवोगी-कान्द्रा-भवालातोक में विन नदी के किनारे बाढ़ नियंत्रण कार्यों के लिए 2.58 करोड़ रुपये की धनराशि भी स्वीकृत की गई है। मलबा हटाने और जेसीबी भुगतान के लिए 26 करोड़ की स्वीकृति प्राकृतिक आपदाओं से सड़कों पर आए मलबे को हटाने के लिए विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा तैनात जेसीबी मशीनों के चालान (बीजक) भुगतान और अन्य देयकों के निस्तारण हेतु 13 जनपदों को 2-2 करोड़ रुपये की दर से कुल 26 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी ने किया प्राचीन वीरभद्र महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने प्राचीन सिद्धपीठ वीरभद्र महादेव मंदिर में पहुंचकर भगवान महादेव का रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि, जनकल्याण और समग्र सामाजिक विकास की कामना करते हुए श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न की। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी ने इसके बाद स्वयंभू पिपलेश्वर महादेव मंदिर में भी दर्शन कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। यह प्राचीन मंदिर मनोकामना सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। स्थानीय मान्यता के अनुसार स्वयं वीरभद्र जी ने यहां भगवान महादेव के शिवलिंग की स्थापना की थी। पूजन कार्यक्रम के उपरांत श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने परम पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरि महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके पावन आशीर्वचन सुने। यह दिव्य रुद्राभिषेक एवं दर्शन कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वीरभद्र मंदिर के प्रबंधक रघुवीर गिरि जी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह-कार्यवाह दिनेश सेमवाल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, ऋषिकेश नगर निगम के महापौर शंभू पासवान, कपिल गुप्ता, प्रमोद शर्मा, अश्विनी गुप्ता, भानू सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन बोले फरवरी-मार्च तक मंजूर हो यूपीसीएल बजट

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) की 125वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने वित्त सचिव को बोर्ड में शामिल करने के निर्देश देते हुए कहा कि तकनीकी पृष्ठभूमि वाले सदस्य को भी बोर्ड में जोड़ा जाए।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष का बजट फरवरी-मार्च तक बोर्ड से स्वीकृत कर लिया जाए। उन्होंने प्रोजेक्ट्स की लागत घटाने और सस्ते ऋण की दिशा में सतत प्रयास करने को कहा।

तीनों कार्पोरेशनों में विजिलेंस सिस्टम बनेगा

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने यूपीसीएल, यूजेवीएनएल और पिटकुल – तीनों कार्पोरेशनों में विजिलेंस मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सचिव विजिलेंस के साथ बैठक कर इसे शीघ्र लागू करने को कहा। साथ ही यूपीसीएल में 1 जनवरी 2026 से ईआरपी लागू करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने तीनों कार्पोरेशनों के त्रैमासिक प्रदर्शन की समीक्षा अनिवार्य रूप से करने पर जोर दिया, ताकि लक्ष्यों की प्रगति और सुधार के क्षेत्रों की पहचान समय पर हो सके।

नई तकनीक अपनाने से पहले करें ट्रायल

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने नई तकनीकों के प्रयोग से पहले सीमित स्तर पर पायलट परीक्षण करने की सलाह दी, ताकि विफल तकनीक से बड़े नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि सभी कार्पोरेशन पेशेवर दृष्टिकोण अपनाएं और किसी भी परियोजना से पहले उसकी टेक्नो-इकोनॉमिक फीजीबिलिटी रिपोर्ट अवश्य तैयार करें।

बैठक में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, स्वतंत्र निदेशक पराग गुप्ता, बी.पी. पाण्डेय, अपर सचिव डॉ. अहमद इकबाल, एमडी यूपीसीएल अनिल यादव, एमडी यूजेवीएनएल संदीप सिंघल और एमडी पिटकुल पी.सी. ध्यानी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन बोले नंदा राजजात यात्रा में उपयोग करें स्वदेशी सामान

पथ प्रवाह, देहरादून

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वदेशी सामान को प्राथमिकता देने की मुहिम पर उत्तराखंड सरकार, शासन और प्रशासन पूरी सक्रियता दिखा रहा है। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने स्वदेशी सामान के उपयोग पर जोर दिया है। शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित व्यय वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग किया जाए।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने नंदा राजजात यात्रा से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी विकास एवं व्यवस्थागत कार्यों को पूरी तरह संपन्न कर लिया जाए, ताकि यात्रियों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

शारदा घाट पुनर्विकास में स्वदेशी सामग्री को मिले प्राथमिकता

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शारदा घाट पुनर्विकास परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थान के सौंदर्यीकरण कार्य में विदेशी सामग्री के बजाय स्वदेशी मैटेरियल को प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि घाटों के निर्माण में उपयोग होने वाली नई तकनीकों में कम रखरखाव वाली तकनीकों को अपनाया जाए, ताकि दीर्घकालिक रूप से इनका रखरखाव सरल और कम खर्चीला रहे।

मुख्य सचिव ने यह भी सुझाव दिया कि घाटों पर बनाए जाने वाले पैदल मार्गों को प्राकृतिक तरीके से ठंडा रखा जा सकता है, जैसे घास या अन्य हरित आवरण लगाकर, जिससे सौंदर्य और सुविधा दोनों में वृद्धि होगी।

विदेशी सामग्री का प्रयोग करने से पहले देना होगा औचित्य

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि विदेशी सामग्री के स्थान पर स्वदेशी विकल्पों के प्रयोग से प्रोजेक्ट की लागत में भी कमी आएगी। यदि किसी परियोजना में विदेशी मैटेरियल का प्रयोग अनिवार्य हो, तो उसका तार्किक औचित्य समिति के समक्ष प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुई समीक्षा

बैठक में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, अपर सचिव डॉ. अहमद इकबाल सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

घनी आबादी वाले क्षेत्र में घर के अंदर से मिला अवैध पटाखों का जखीरा

पथ प्रवाह संवाददाता

हरिद्वार/कलियर। अवैध पटाखों की बिक्री करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए कलियर थाना पुलिस ने एक घर के अंदर से लाखों रुपये कीमत के पटाखे बरामद किये हैं। पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद में अवैध पटाखों के भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना पिरान कलियर पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। थाना पिरान कलियर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम इमलीखेड़ा क्षेत्र में एक घर के अंदर घनी आबादी के बीच भारी मात्रा में अवैध पटाखों का भंडारण किया गया है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। सूचना पर थानाध्यक्ष द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित की गई एवं तहसीलदार रूड़की विकास अवस्थी को मौके पर बुलाकर संयुक्त रूप से छापामारी की गई। मौके पर तलाशी के दौरान घर के दो कमरों में पटाखे भरे हुए थे जिन्हेलगभग 35 बड़ी गत्ते की पेटियाँ में भरकर कब्जे में लिया गया जिनमें विभिन्न प्रकार के अवैध पटाखे थे। बरामदगी की अनुमानित कीमत लगभग 15 से 17 लाख आँकी गई है। पुलिस द्वारा मौके पर मौजूद व्यक्ति से पटाखों के भंडारण संबंधी लाइसेंस माँगा गया, जो प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इससे यह स्पष्ट हुआ कि उक्त व्यक्ति बिना अनुमति के अवैध रूप से पटाखों का भंडारण कर रहा था। पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके से हिरासत में लिया गया, और बरामद पटाखों को कब्जे पुलिस में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए अभियोग पंजीकृत किया गया। हरिद्वार पुलिस की समय से एंव त्वरित कार्यवाही से एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई यदि आबादी में किसी प्रकार की दुर्घटना घटित होती तो पूरा गांव प्रभावित हो सकता था। पुलिस ने आरोपी का नाम शुभम पाल निवासी ग्राम इमलीखेड़ा, थाना पिरान कलियर, जनपद हरिद्वार बताया गया है।

सीमा विकास को नई दिशा देगा वाइब्रेंट विलेज मिशन, हर्षिल में दिसंबर में सजेगा हैरिटेज फेस्टिवल

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कार्यालय सभागार में सेना एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीमांत क्षेत्रों के समग्र विकास, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति और ÷वाइब्रेंट विलेज÷ के तहत चल रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में जादुंग और नेलांग गांवों में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, आरओ प्लांट लगाने, नेलांग गांव के पास दर्शनीय स्थल और कैफे निर्माण, साथ ही झाला क्षेत्र में एप्पल प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) निर्गत करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सीमांत क्षेत्रों में

बुनियादी सुविधाओं का विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सीमांत गांवों में ऊर्जा, पेयजल संयोजन और पर्यटन आधारित परियोजनाओं पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि स्थानीय लोगों को सुविधा मिल सके और रोजगार के अवसर बढ़ें। जिलाधिकारी आर्य ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल सीमांत नागरिकों का जीवनस्तर सुधरेगा, बल्कि पर्यटन और स्थानीय उत्पादों को भी नई पहचान मिलेगी।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं और एनओसी निर्गत करने की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सुगम रखी जाए।

बैठक में सीमांत क्षेत्र हर्षिल की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पर्यटन संभावनाओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से ÷हर्षिल हैरिटेज फेस्टिवल÷ के आयोजन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि 25 से 31 दिसंबर के बीच हर्षिल हैरिटेज फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय संस्कृति, लोककला, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों को प्रमुखता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को महोत्सव की रूपरेखा, कार्यक्रमों की विविधता और आयोजन स्थल की तैयारी से संबंधित विस्तृत कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए।

इस दौरान कर्नल हर्षवर्धन शेखावत, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दूल गुसाई और जय पंवार बैठक में भौतिक रूप से उपस्थित रहे। वहीं उपनिदेशक गंगोत्री नेशनल पार्क हरीश नेगी, मुख्य विकास अधिकारी एसएल सेमवाल, एसडीएम शालिनी नेगी, जिला पर्यटन अधिकारी केके जोशी सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े रहे।

जिलाधिकारी आर्य ने कहा कि सीमांत क्षेत्र के विकास कार्यों को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाएगा ताकि सरकार की ÷वाइब्रेंट विलेज÷ योजना का लक्ष्य सीमांत को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना जल्द साकार हो सके।

एक नजर

एनसीसी कैडेट्स को पुलिस ने पढ़ाया साइबर, महिला अपराध व सड़क सुरक्षा का पाठ

पथ प्रवाह, संवाददाता, बड़कोट/उत्तरकाशी। युवा पीढ़ी को सामाजिक कुरीतियों और अपराधों से दूर रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत आज न्यू होली लाइफ इंटर कॉलेज, बड़कोट में एनसीसी कैडेट्स के लिए विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता थानाध्यक्ष बड़कोट दीपक सिंह कठैत ने की।

गोष्ठी में जूनियर और सीनियर डिवीजन के एनसीसी कैडेट्स को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव, यातायात नियमों और राष्ट्रीय प्रतीकों के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष ने छात्रों को साइबर सुरक्षा के उपायों के साथ-साथ ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए सावधानियां अपनाने की सलाह दी। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की उपयोगिता बताते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड की स्थिति में तुरंत इस नंबर पर संपर्क करना चाहिए। दीपक सिंह कठैत ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाकर स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में योगदान देना होगा। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने आस-पास के लोगों को भी नशे और अपराधों से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। गोष्ठी के दौरान पुलिस टीम ने कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के नियमों, ट्रैफिक सिग्नल की जानकारी, महिला सुरक्षा से संबंधित उपायों तथा डायल 112 और उत्तराखंड पुलिस ऐप के उपयोग की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने कैडेट्स को राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न अशोक स्तंभ के महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अशोक स्तंभ राष्ट्र की एकता, गौरव और सम्मान का प्रतीक है, जिसका मर्यादित उपयोग और आदर प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। गोष्ठी के दौरान स्कूल प्रबंधक, अध्यापकगण और एनसीसी प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे। इस पहल को क्षेत्र में पुलिस-जन सहयोग को मजबूत करने और युवा वर्ग में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

झारखंड के स्वास्थ्य ने दवा दुकानों में जाकर खुद की कफ सिरप की जांच

रांची। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत होने और तीन-तीन कफ सिरप को बैन करने के मामले को लेकर के झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सड़कों पर शुक्रवार को उतरे और दवा दुकानों में जाकर कफ सिरप की जांच की। इससे साथ ही इरफान अंसारी सदर अस्पताल में पैरासिटामोल की गोली में फंगस लगने के मामले के लिए भी जांच के लिए भी सदर अस्पताल पहुंचे और वहां इसकी जांच की। जांच के बाद इरफान अंसारी ने बताया कि दवा दुकानों में से कई कफ सिरप के सैंपल कलेक्शन करके जांच के लिए लेबोरेटरी में भेजे गए हैं।

उन्होंने बताया कि तकरीबन 300 से ज्यादा सैंपल को अब तक झारखंड से लेबोरेटरी में जांच के लिए भेजा गया है, ताकि मध्य प्रदेश और राजस्थान में जिस तरह से बच्चों की मौतें हुई हैं, उसे रोका जा सके। वहीं, उन्होंने सदर अस्पताल में पैरासिटामोल फंगस लगी हुई दवा के मामले की भी जांच की। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य विभाग को बदनाम करने के लिए एक साजिश है। मैंने खुद जाकर के पैरासिटामोल दवाई की जांच की है। कहीं किसी प्रकार का कोई फंगस नहीं लगा हुआ है।

उन्होंने कहा कि आज के अखबारों में पैरासिटामोल में फंगस पाए जाने की बात सामने आई है। मैं खुद इसे देखने आया था और दवा मेरे पास है। दवा लेने पर वह पारदर्शी होती है। दवा ठीक से दी गई थी। मैंने सीसीटीवी कैमरे से पुष्टि की कि दवा ठीक है। दवा लेने के बाद फंगस कैसे दिखाई दिया, यह स्पष्ट नहीं है।

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित गोष्ठी में विद्यार्थियों को समझाया मानसिक संतुलन बनाए रखने का महत्व

विधिक प्राधिकरण सचिव ने कहा मानसिक रोगियों को भी प्राप्त हैं समान मानवाधिकार, जागरूकता है सबसे बड़ा उपचार

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज उत्तरकाशी में जनजागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं सचिव विधिक/सिविल जज द्वारा की गई। स्वास्थ्य विभाग उत्तरकाशी के सहयोग से आयोजित इस गोष्ठी में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और इससे जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। मनोचिकित्सक डॉ. प्रिया त्यागी ने इस वर्ष की थीम आपदा और आपातकाल में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के संपूर्ण स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में लगभग 90 प्रतिशत आत्महत्याएं किसी न किसी मानसिक बीमारी से जुड़ी होती हैं। मानसिक तनाव व्यक्ति को निराशा, नशे की आदत और असंतुलित जीवन शैली की ओर धकेल देता है। डा. त्यागी ने विद्यार्थियों को तनाव मुक्त जीवन जीने के उपाय बताते हुए कहा कि सकारात्मक सोच, योग, ध्यान, प्राणायाम और संतुलित दिनचर्या अपनाकर मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाया जा सकता है।÷ उन्होंने युवाओं को तंबाकू, शराब और नशीले पदार्थों से दूर रहने,

पर्याप्त नींद लेने, मोबाइल का सीमित उपयोग करने और परिवार व मित्रों से जुड़ाव बनाए रखने की सलाह दी।

इस अवसर पर सचिव जिला विधिक प्राधिकरण सचिन कुमार ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का उद्देश्य समाज में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियों को वही मानवाधिकार प्राप्त हैं जो अन्य नागरिकों को हैं। विधिक प्राधिकरण द्वारा मानसिक रोगियों के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ जरूरतमंद लोग विधिक माध्यम से उठा सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्रभारी प्राचार्या श्रद्धा परमार ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मिनाक्षी बुटोला, कपिल राणा (सोशल वर्कर), प्राचार्या अम्बिका, प्राचार्य सुभाष पाल, प्राचार्या प्रियंका सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विशेषज्ञों ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर मौन तोड़ने और खुलकर संवाद करने की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना उतना ही आवश्यक है जितना शारीरिक स्वास्थ्य पर, तभी समाज स्वस्थ और संवेदनशील बन सकता है।

सैनिक दीपावली मेले के तीसरे दिन चिन्यालीसौड़ की वीरांगना राधा रमोला सम्मानित, बच्चों की प्रस्तुतियों और वॉलीबॉल प्रतियोगिता ने बढ़ाया उत्साह

पथ प्रवाह,संवाददाता

उत्तरकाशी। विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति उत्तरकाशी के तत्वावधान में चल रहे सैनिक दीपावली मेले के तीसरे दिन देशभक्ति और प्रतिभा का सुंदर संगम देखने को मिला। शुक्रवार की शाम आजाद मैदान में विभिन्न स्कूलों के जूनियर वर्ग के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशप्रेम और अनुशासन का संदेश दिया, वहीं वॉलीबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन जीत लिया।

इस अवसर पर चिन्यालीसौड़ की वीरांगना राधा रमोला (पत्नी हवलदार स्व. अतुल चंद्र रमोला, 9वीं गढ़वाल राइफल) को समिति की ओर से सम्मानित किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें साड़ी, बैग और 1100 रुपये की सम्मान राशि भेंट कर उनके परिवार के योगदान को नमन किया। राधा रमोला वर्तमान में समाजसेवा में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले हुए। पहले राउंड में उत्तरकाशी ने अरमान क्लब को 25-18 से हराया, जबकि अरमान क्लब ने दूसरे मुकाबले में 25-20 से जीत दर्ज की। दूसरे राउंड में नेताला ने साल्ड को 25-15 और 25-19 से हराकर बढ़त बनाई। तीसरे राउंड में गंगोत्री

फिजिकल एकेडमी ने नागनी धनारी को 25-12 और 25-17 से पराजित किया। चौथे राउंड में नागनी धनारी ने उत्तरकाशी को 25-22 से हराकर जीत दर्ज की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बच्चों ने देशभक्ति गीतों, कविताओं और नृत्यों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। पूरे मैदान में जयघोष और तालियों की गूंज ने वातावरण को उत्साह से भर दिया। समिति के संरक्षक मेजर आर.एस. जमनाल (सेनि.) ने कहा कि सैनिक दीपावली मेला युवाओं और बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन और सेवा की भावना जगाने का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने कहा कि बच्चों की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि नई पीढ़ी देशहित के मूल्यों को आत्मसात कर रही है।

समिति के अध्यक्ष सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि यह मेला केवल मनोरंजन का नहीं, बल्कि प्रेरणा और सम्मान का प्रतीक है। हमारी यह परंपरा हर वर्ष और भी अधिक सशक्त रूप में आगे बढ़ेगी।

मीडिया प्रभारी हवलदार गोपेश्वर प्रसाद भट्ट ने बताया कि मेले में स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने के साथ-साथ वीर नारियों और पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने की परंपरा निरंतर जारी है।

जहां सीमाएं ख़त्म होती हैं, वहीं से महिला सशक्तिकरण की असली परिभाषा शुरू होती है: एडवोकेट प्रजाक्ता

पथ प्रवाह पिथौरागढ़। उत्तराखंड का सीमांत जनपद पिथौरागढ़, हिमालय की गोद में बसा वह भूभाग है जहाँ आकाश छूती चोटियाँ, गूँजते झरनों की ध्वनि, और मिट्टी की खुशबू मिलकर संस्कृति और साहस की कहानियाँ लिखती हैं। इसी पवित्र धरती से आरंभ हुई एक ऐसी महिला की जीवनयात्रा, जो केवल समाज का हिस्सा नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन की प्रतीक बन गईं – एडवोकेट प्रजाक्ता प्रविण गणवीर।

उनकी कहानी किसी व्यक्ति की उपलब्धियों की नहीं, बल्कि उस अदृश्य संघर्ष की गाथा है जो एक महिला तब करती है जब वह अपनी राह स्वयं बनाती है। उन्होंने उत्तराखंड की परंपराओं को सम्मान देते हुए आधुनिक दृष्टि से जोड़कर सशक्तिकरण को केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक सतत सामाजिक प्रयोग बना दिया।

साल 1992 में जब देश आर्थिक उदारीकरण के एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब महाराष्ट्र पूणे से एडवोकेट प्रजाक्ता गणवीर उत्तराखंड की सीमांत यात्रा पर थीं – आदि कैलाश के दर्शन के लिए। यह यात्रा केवल आध्यात्मिक नहीं थी, बल्कि उनके भीतर उस जिज्ञासा और संकल्प को जन्म देने वाली थी जो आगे चलकर उन्हें ÷महिला आर्थिक आज़ादी÷ की एक नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में ले गया।

उन्होंने देखा कि हिमालय की तलहटी में रहने वाली महिलाएँ अपने परिश्रम और कौशल के बावजूद आर्थिक रूप से निर्भर हैं। उनकी मेहनत, उनकी कला और उनकी जिजीविषा अक्सर पहाड़ की सीमाओं में ही सिमट जाती है। उसी क्षण उन्होंने ठान लिया कि उनका जीवन इन सीमाओं को तोड़ने के लिए समर्पित रहेगा।

कानून और समाजशास्त्र का किया अध्ययन

एडवोकेट प्रजाक्ता प्रविण गणवीर ने

कानून और समाजशास्त्र दोनों का गहरा अध्ययन किया है। उन्होंने महसूस किया कि महिला सशक्तिकरण का पहला कदम ÷स्वावलंबन÷ है – आर्थिक और बौद्धिक दोनों। उन्होंने उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं – हस्तकला, बुनाई, एम्ब्रॉयडरी, पेंटिंग और लोक कलाओं – को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में कार्य किया। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को प्रेरित किया कि वे अपनी कला को केवल घरेलू परंपरा न समझें, बल्कि उसे अपनी आर्थिक पहचान का माध्यम बनाएँ। धारचूला, विण और आसपास के क्षेत्रों में उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षित किया, संगठित किया और उत्पाद निर्माण की दिशा में जोड़ा।

जहाँ कई लोग समाजसेवा को प्रचार का माध्यम बनाते हैं, वहीं प्रजाक्ता गणवीर ने इसे मौन साधना बना लिया। वे कहती हैं – ÷काम की सबसे सुंदर आवाज़ होती है – उसका परिणाम।÷ यह मौन कर्मयोग आज पूरे धारचूला क्षेत्र में दिखाई देता है। उन्होंने स्थानीय उत्पादों जैसे रागी मढवे के सेक, जामीर और चूख के अचार, पहाड़ी चॉकलेट, औषधीय हर्बल तेल, हस्तनिर्मित साबुन और सूखे खाद्य पदार्थों को एक संगठित रूप दिया।

इन उत्पादों का लैब टेस्ट, प्रमाणन और बाजार से जुड़ाव सुनिश्चित करवाना पहाड़ी महिलाओं के लिए पहली बार संभव हुआ। आज दर्जनों गाँवों की महिलाएँ इन उत्पादों से न केवल आय अर्जित कर रही हैं, बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सक्षम हो चुकी हैं।

महिला उद्यमिता की पहचान बनी

सालों के अनुभव और समाजसेवी दृष्टिकोण से जन्मी उनकी संस्था ÷प्रज्वलिन आर्ट्स÷ आज उत्तराखंड में महिला उद्यमिता का प्रतीक बन चुकी है। यह केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सशक्तिकरण की कार्यशाला है जहाँ महिलाएँ अपने सपनों को सुई, धागे और रंगों से आकार देती हैं। प्रजाक्ता गणवीर इस संस्था की निदेशक हैं। उनकी योजना है धारचूला और विण क्षेत्र में एक हैंड एम्ब्रॉयडरी हब की स्थापना करना, जहाँ स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने का अवसर मिले। यह हब केवल रोजगार का केंद्र नहीं होगा, बल्कि कला, परंपरा और आर्थिक आत्मनिर्भरता का संगम बनेगा – एक ऐसा केंद्र जहाँ ÷कला÷ और ÷आजीविका÷ का संबंध साकार होगा। इस वर्ष प्रजाक्ता गणवीर ने अपने सामाजिक कार्यों को और व्यापक करते हुए ÷अभिलाषा समिति, पिथौरागढ़, उत्तराखंड से जुड़ाव किया। यह समिति शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में कार्यरत है। उनकी प्रतिबद्धता और दृष्टि को देखते हुए उन्हें अभिलाषा समिति उत्तराखंड द्वारा ÷राष्ट्रीय चीफ़ निदेशक (महिला सशक्तिकरण)÷ का दायित्व सौंपा गया है। यह उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि उत्तराखंड से लेकर देशभर की उन महिलाओं की आवाज़ को दिशा देने का माध्यम है जो अब भी समाज के हाशिये पर खड़ी हैं।

नवाचार कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका

अभिलाषा समिति के वनाग्नि विहिन हिमालय अभियान और शैक्षणिक नवाचार कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भूमिका यह दर्शाती है कि उनके लिए महिला सशक्तिकरण केवल आर्थिक विमर्श नहीं, बल्कि पर्यावरणीय और सामाजिक चेतना का हिस्सा है। प्रजाक्ता गणवीर का सबसे बड़ा गुण है – समर्पण बिना अपेक्षा के। वे अपने व्यक्तिगत संसाधनों से सीमांत क्षेत्रों में प्रशिक्षण, उत्पादन सामग्री और बाज़ार संपर्क का कार्य करती हैं। धारचूला की महिलाएँ कहती हैं – ÷दीदी हमारे लिए रास्ता नहीं दिखातीं, वह हमारे साथ चलती हैं।÷ यह वाक्य उनके नेतृत्व की सादगी और संवेदना दोनों को परिभाषित करता है। एडवोकेट प्रजाक्ता प्रविण गणवीर केवल उद्यमिता की प्रतीक नहीं, बल्कि एक विधिक मार्गदर्शक भी हैं। उन्होंने अनेक कार्यशालाओं में महिलाओं को कानूनी अधिकारों, घरेलू हिंसा, संपत्ति के अधिकार और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे विषयों पर जागरूक किया है। वे कहती हैं – ÷महिलाओं की आर्थिक आज़ादी तब तक अधूरी है जब तक उन्हें अपने अधिकारों की सही जानकारी नहीं।÷

महिलाएं हो रही आत्मनिर्भर

उनका यह दृष्टिकोण बताता है कि वे सशक्तिकरण को बहुआयामी रूप में समझती हैं – आर्थिक, विधिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक। आज देश में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' जैसे निर्णय महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं, परंतु धरातल पर ऐसे निर्णय तभी सार्थक होते हैं जब प्रजाक्ता गणवीर जैसी महिलाएँ उन्हें समाज के वास्तविक जीवन में लागू करती हैं। उनके प्रयासों से न केवल महिलाएँ आत्मनिर्भर हो रही हैं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक दृष्टिकोण में भी परिवर्तन आ रहा है। जहाँ पहले महिलाएँ केवल सहायक भूमिका में दिखती थीं, आज वे अपने घरों में निर्णय लेने वाली और समाज में दिशा दिखाने वाली बन चुकी हैं। एडवोकेट प्रजाक्ता गणवीर अपनी उपलब्धियों का प्रचार नहीं करतीं। वे केवल कहती हैं – ÷उत्तराखंड की सीमांत महिलाओं की आर्थिक आज़ादी के लिए जो भी बन पड़े, मैं अपने निजी साधनों से करने का प्रयास करती हूँ।÷ यह वाक्य किसी आत्मप्रशंसा का नहीं, बल्कि सेवा की पराकाष्ठा का प्रतीक है। उनका कार्य इस विश्वास को मजबूत करता है कि समाज का असली परिवर्तन शब्दों से नहीं, कर्म से आता है।

सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत

एडवोकेट प्रजाक्ता प्रविण गणवीर का जीवन आज भारत की उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत है जो किसी न किसी सामाजिक, आर्थिक या भौगोलिक बंधन में बंधी हैं। वे यह संदेश देती हैं कि सशक्तिकरण केवल पुरस्कार या मंच का विषय नहीं, बल्कि वह अंदरूनी साहस है जो हर महिला में विद्यमान है। उनकी कहानी हिमालय की घाटियों से निकलकर यह कहती है कि – ÷जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तब उसका परिवार, समाज और राष्ट्र, तीनों मज़बूत होते हैं।÷ प्रजाक्ता प्रविण गणवीर की यह यात्रा हमें यह सिखाती है कि विकास की असली दिशा तब ही बनती है जब उसमें महिला की भागीदारी बराबर हो। उनकी सोच, उनका कार्य और उनकी निष्ठा यह स्थापित करते हैं कि महिला सशक्तिकरण किसी अभियान का नहीं, बल्कि समाज के संतुलित विकास का आधार है।

डॉ किशोर कुमार पंत
सोसल एक्टिवीस्ट
(संयोजक, वनाग्नि विहिन हिमालय अभियान)

एक नजर

कांस्टेबल गौरव बिष्ट ने बढ़ाया पिथौरागढ़ पुलिस का गौरव

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। जनपद नैनीताल में 08 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित 23वीं प्रादेशिक जनपद/वाहिनी पुलिस तैराकी एवं क्रॉस कन्ट्री प्रतियोगिता में जनपद पिथौरागढ़ पुलिस के कांस्टेबल गौरव बिष्ट ने 10 किमी क्रॉस कन्ट्री प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीतते हुए जनपद का नाम गौरवान्वित किया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में और ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित किया। जनपद पिथौरागढ़ पुलिस सेवा, समर्पण और सम्मान के साथ हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

गुमशुदा महिला को हरियाणा से सकुशल किया बरामद

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ के कनालीछीना क्षेत्रान्तर्गत निवासी बलवंत सिंह ने अपनी पत्नी के बिना बताए कहीं चले जाने की सूचना थाना कनालीछीना में दी थी। सूचना पर पुलिस ने तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर महिला की तलाश शुरू की। अपर उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार द्वारा जांच प्रारम्भ की गई। थानाध्यक्ष कनालीछीना प्रवीण सिंह के नेतृत्व में पर उपनिरीक्षक राजेंद्र कुमार व हेड कांस्टेबल खीम सिंह द्वारा सर्विलांस सैल की मदद से टैक्निकल व मैनुअल इनपुट्स के आधार पर लगातार प्रयास करते हुए गुमशुदा महिला को चकरपुर गुड़गांव हरियाणा से बरामद कर लिया।

राजी समुदाय के उत्थान के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार चला रही द्वारा अनेक योजनाएं : जिलाधिकारी

हमारी कहानी–हमारी जुबानी विषय पर राजी जनजाति पर केन्द्रित सेमिनार का आयोजन

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़।

नगर निगम सभागार, पिथौरागढ़ में आज ÷हमारी कहानी - हमारी जुबानी÷ विषय पर राजी जनजाति पर केन्द्रित एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी एवं अर्पण संस्था की अध्यक्ष रेनू ठाकुर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस दौरान राजी जनजाति समुदाय के सदस्यों ने अपनी पारंपरिक जीवनशैली, रीति-रिवाज, कृषि पद्धतियाँ, आवासीय शैली तथा सामाजिक संरचना की जानकारी साझा की। प्रतिभागियों ने स्थानीय भाषा में पारंपरिक लोक गीतों की प्रस्तुति देकर अपने वर्तमान जीवन के अनुभवों, संघर्षों तथा भविष्य की आशाओं को भावपूर्ण रूप से व्यक्त किया। राजी जनजाति के लोगों ने अवगत कराया कि सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवास बनाएं जा रहे, रोजगार हेतु उपकरण दिए गए और इस जनजाति के लिए विशेष ध्यान देने हेतु उन्होंने सरकार का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी गोस्वामी ने इस अवसर पर राजी जनजाति की मूलभूत आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जिलाधिकारी ने कहा कि राजी समुदाय अत्यंत सम्मानित समुदाय है। इसके उत्थान के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत राजी जनजाति को देश की कुछ चुनिंदा जनजातियों में सम्मिलित किया गया है जिस पर सरकार का विशेष ध्यान है और उत्थान के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन इस समुदाय के सशक्तिकरण हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि राजी जनजाति सम्मेलन समुदाय में आए आत्मविश्वास और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। जो समुदाय पहले सामाजिक आयोजनों से दूरी बनाए रखता था, वही अब जिला मुख्यालय में आकर अपनी बात दृढ़ता से समाज में रख रहा है तथा विभागीय अधिकारियों से संवाद स्थापित कर रहा है। यह परिवर्तन दर्शाता है कि विकास योजनाओं का लाभ अब समुदाय तक पहुँच रहा है। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि राजी जनजाति के आवासीय लाभार्थियों को आवास पूर्ण करने में आ रही कठिनाइयों का सर्वेक्षण किया जाए, तथा अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि सभी लाभार्थी ससमय पर अपने आवास पूर्ण कर सकें और सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं का पूर्ण रूप से लाभ मिल सके।

अंत में जिलाधिकारी ने अर्पण संस्था तथा सभी विभागीय अधिकारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास आशीष पुनेठा, मुख्य कृषि अधिकारी अमरेन्द्र चौधरी, तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

खोया हुआ मोबाइल बरामद कर सौंपा

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। गुमशुदा मोबाइल बरामदगी अभियान के अन्तर्गत जनपद पुलिस द्वारा त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक मोबाइल ढूंढकर उसके स्वामी को सौंप दिया। थानाध्यक्ष जाजरदेवल मनोज पांडे के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल आनंद कुमार एवं महिला कांस्टेबल अंकिता द्वारा ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल पर अपलोड मोबाइल गुमशुदगी रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए रतनेश जोशी निवासी उर्ग, जाजरदेवल का मोबाइल फोन बरामद कर सकुशल उनके सुपुर्द किया गया। जनपद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल गुमशुदा होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने पर सूचना दें या गुमशुदगी रिपोर्ट ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल पर अपलोड करें, ताकि शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित हो सके।

ईमानदारी की मिसाल, लौटाया खोया हुआ पर्स

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा अपनी ड्यूटी के अतिरिक्त मानवीय कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात ड्यूटी के दौरान हेड कांस्टेबल दीपक सिंह, कांस्टेबल अशोक कुमार एवं कांस्टेबल सुनील प्रकाश को एक महिला का पर्स मिला, जिसमें कुछ नगद धनराशि एवं महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। पुलिस ?कर्मियों ने पर्स के स्वामी का पता लगाने के लिए कार्य शुरू कर दिया। जिसके बाद पुलिस कर्मियों द्वारा पण्डा निवासी बालिका को उसका पर्स सकुशल सुपुर्द किया गया। इस नेक कार्य की स्थानीय नागरिकों द्वारा सराहना की गई।

कोलकाता में नेता और बिल्डर अरेस्ट

समस्तीपुर। समस्तीपुर के रहने वाले लोजपा (रामविलास) के नेता और बिल्डर राजीव रंजन को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार राजीव रंजन पर रिटायर्ड जज इंद्रजीत चटर्जी से 4.49 करोड़ रुपए ठगने का आरोप है। बताया जा रहा है कि राजीव रंजन समस्तीपुर जिले के टभका गांव के रहने वाले हैं और विभूतिपुर विधानसभा सीट से लोजपा(आर) के टिकट पर चुनाव लडऩे की तैयारी कर रहे थे। इससे पहले ही कोलकाता पुलिस ने उन्हें विद्यानगर थाना के सॉल्ट लेक इलाके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने राजीव से पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया है।

नेता का भाई रेप केस में गिरफ्तार

सोलन। हिमाचल प्रदेश में भाजपा के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल के 75 साल के भाई राम कुमार बिंदल को सोलन पुलिस ने रेप केस में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पूछताछ के बहाने बुलाकर राम कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इसकी पुष्टि करते हुए सोलन के एसपी गौरव सिंह ने कहा कि 25 साल की युवती ने पुलिस को शिकायत देकर राम कुमार पर इलाज के बहाने रेप करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि वह काफी समय से बीमार चल रही है। 7 अक्टूबर को वह सोलन बस स्टैंड के साथ वैध राम कुमार बिंदल के पास उपचार कराने गई। वैध ने पूछा कि कहां से आए हो। पता पूछने के बाद उसने उसे जांच के लिए बैठा लिया।

प्रियंका गांधी से मिले नवजोत सिद्धू

अमृतसर। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू ने फिर पंजाब की सियासत में हलचल मचा दी है। सिद्धू ने अचानक दिल्ली में प्रियंका गांधी से मुलाकात की। इसके बाद सिद्धू ने सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- अपने मार्गदर्शक, प्रकाशस्तंभ और संरक्षक देवदूत से मिला। कठिन और चुनौतीपूर्ण समय में साथ देने के लिए बस उनके और भाई के प्रति आभारी हूं। इस मुलाकात को इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि नवजोत सिद्धू की पत्नी डॉक्टर नवजोत कौर सिद्धू अमृतसर से चुनाव लडऩे का ऐलान कर चुकी हैं। वह फील्ड में भी एक्टिव होकर लोगों से मुलाकात करने लगी हैं। प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पूर्व सांसद ने थामा राजद का दामन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड को फिर एक बार झटका लगा है, जहां पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने पार्टी छोडक़र आरजेडी का दामन थाम लिया है। उन्होंने यह फैसला पार्टी में अनदेखी और टिकट बंटवारे में उपेक्षा की वजह से लिया। उनके इस कदम से जेडीयू को नुकसान हो सकता है क्योंकि कुशवाहा का सीमांचल की राजनीति में काफी प्रभाव है। बता दें कि वह दो बार (2014 और 2019) पूर्णियां से जेडीयू की टिकट पर सांसद रह चुके हैं। हालांकि पिछली बार यानी साल 2024 में उन्हें कद्दावर नेता पप्पू यादव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उनके इस्तीफे को आरजेडी कुशवाहा वोट बैंक को साधने की रणनीति मान रही है।

योग एवं ध्यान मानसिक स्वास्थ्य सुधार में सहायक: मंजू देवी

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.एस. नबियाल के निर्देशन में तथा नोडल अधिकारी डॉ. ललित भट्ट के नेतृत्व में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम पिथौरागढ़ के सभागार में 'आपदा एवं आपात स्थिति में मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सिविल जज मंजू देवी रहीं। कार्यक्रम का संचालन साइकियाट्रिक सोशल वर्कर जीवन चन्द्र तिवारी ने किया। उन्होंने विश्व एवं भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विकास, प्रमुख योजनाओं तथा वर्तमान में संचालित मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि मंजू देवी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्या किसी को भी हो सकती है, और ऐसी स्थिति में व्यक्ति को अपनी समस्या साझा कर विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। उन्होंने योग एवं ध्यान को मानसिक स्वास्थ्य सुधार में सहायक बताया। कम्युनिटी नर्स चंदा चौहान ने मानसिक विकारों जैसे अवसाद, एंज़ायटी, पी.टी.एस.डी. आदि के लक्षणों के बारे में बताया। नोडल अधिकारी डॉ. ललित भट्ट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार असामान्य हो, वह लंबे समय से उदास रहता हो, नकारात्मक विचार या आत्महत्या के भाव आते हों, छोटी बातों पर गुस्सा करता हो या शक की प्रवृत्ति रखता हो, तो ऐसे व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य परामर्श की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि स्थानीय भ्रांतियों और झाड़-फूंक जैसे पारंपरिक उपायों के कारण लोग समय पर इलाज नहीं कराते, जिससे रोग की स्थिति गंभीर हो जाती है। उन्होंने सलाह दी कि प्रारंभिक लक्षण दिखते ही विशेषज्ञ चिकित्सक से संपर्क करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.एस. नबियाल ने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 के अवसर पर 10 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक जनपद में विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में हिमानी पंत, निशा कश्यप, दीपक बड़ोला, योगेश पंत सहित अनेक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से मिले भाजपा के विधायक, छात्रहित में स्नातक स्तरीय परीक्षा निरस्त करने की मांग

पथ प्रवाह, संवाददाता, देहरादून। राज्य के छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से हाल में संपन्न स्नातक स्तरीय चस्स्ष्ट परीक्षा को छात्रहित में निरस्त करने का अनुरोध किया। विधायकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान अब तक 25 हजार से अधिक सरकारी नियुक्तियां देने और पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई जांच की घोषणा करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सदैव छात्रों के हितों को प्राथमिकता दी है और इस बार भी उन्होंने सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। प्रतिनिधिमंडल में विधायक खजान दास, दिलीप सिंह रावत, विनोद कंडारी, बृज भूषण गैरोला, दुर्गेश्वर लाल, सुरेश चौहान, मोहन सिंह बिष्ट और रेणु बिष्ट शामिल रहे। मुलाकात के दौरान भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री को पार्टी की ओर से ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि परीक्षाओं की पारदर्शिता को लेकर छात्रों के मन में कोई शंका नहीं रहनी चाहिए, इसलिए हाल में आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा को निरस्त करने पर विचार किया जाए। मुलाकात के उपरांत मीडिया से बातचीत में विधायक खजान दास ने बताया कि मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा गया कि जब पेपर लीक का मामला सामने आया था, तब उन्होंने छात्रों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सीबीआई जांच की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने तब भी कहा था कि छात्रों के भविष्य को देखते हुए जो भी कदम आवश्यक होंगे, सरकार उन्हें उठाएगी। विधायकों ने एक स्वर में कहा कि छात्र प्रदेश और देश का भविष्य हैं, इसलिए किसी भी परीक्षा की पारदर्शिता पर संदेह की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले भी नकल प्रकरणों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है, जिससे जिम्मेदार लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा सके। पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री को सीबीआई जांच के ऐतिहासिक निर्णय पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अपने क्षेत्रों में परीक्षा देने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों से संवाद किया गया है, जिनकी भावनाओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य को लेकर सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को छात्रहित में सकारात्मक कदम उठाने का भरोसा दिया है।

परिवहन विभाग ने 17 वाहनों के किए चालान, 3 सीज, एआरटीओ नेहा झा की सख्ती

पथ प्रवाह, संवाददाता। सड़क पर बेपरवाही दिखाने वालों पर प्रशासन ने फिर कसी लगाम। शुक्रवार की रात सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नेहा झा के नेतृत्व में बहादराबाद क्षेत्र में चला संयुक्त रात्रि प्रवर्तन अभियान, जिसमें पुलिस और परिवहन विभाग की टीम ने नियम तोड़ने वालों की जमकर क्लास ली। अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 17 चालान काटे गए, जबकि 3 वाहनों को मौके पर सीज कर दिया गया। देर रात तक चले इस अभियान में बिना हेलमेट, ओवरलोडिंग, अवैध संचालन और बिना परमिट वाहनों को निशाने पर रखा गया। अभियान में उप निरीक्षक मनोज कुमार और उनकी पुलिस टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीम ने सघन जांच के दौरान किसी भी वाहन चालक को नियमों से छूट नहीं दी। एआरटीओ (प्रवर्तन) नेहा झा ने स्पष्ट कहा – यातायात अनुशासन से कोई समझौता नहीं होगा। सड़क सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। ऐसे संयुक्त अभियान लगातार जारी रहें। इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है। विभाग का कहना है कि सड़क सुरक्षा को लेकर अब ढिलाई किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 पर स्वास्थ्य मंत्रीने टेली-मानस ऐप का उन्नत संस्करण लॉन्च किया

नई दिल्ली। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कई नई पहलें शुरू कीं। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने बेहतर पहुंच और उपयोगिता के लिए टेली-मानस ऐप का उन्नत संस्करण लॉन्च किया, जिसमें मल्टीलिंगुअल यूजर इंटरफेस, चैटबॉट 'अस्मी' और आपातकालीन मॉड्यूल जैसी नई सुविधाएं शामिल हैं। अब टेली-मानस ऐप 10 क्षेत्रीय भाषाओं असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु, उड़िया और पंजाबी के साथ हिंदी और अंग्रेजी में भी उपलब्ध है। इस पहल का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और समावेशी बनाना है। ऐप में अब दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स भी जोड़े गए हैं ताकि वे आसानी से इसका उपयोग कर सकें। कार्यक्रम के दौरान जे.पी. नड्डा ने कहा कि स्वस्थ मन से ही स्वस्थ शरीर बनता है, और स्वस्थ मन व शरीर मिलकर एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई- www.pathpravah.com